अपने को आत्मा समझो,शरीरों पर नज़र नही डालो
ब्राह्मण हो तो, पढ़ाई और दैव्य गुण धारण करो
क्रोधी आत्माए कहलाती ..भूतनाथ, भूतनाथीनि
जिनमें भूत उनसे बातचीत नही करनी
रफ ढ़फ होकर बातचीत भी नही करनी
वारिस बनना तो पहले बनाओ वारिस
अपने ऊपर आपे ही करना रहम
परमात्म प्रत्यक्षता का आधार है सत्यता
सत्यता का आधार है स्वच्छता व निर्भयता
इन गुणों को धारण कर एक धुन में मस्त रह
रमता योगी बनना
 सहज योगी बनने से होगी ,सहज ही प्रत्यक्षता
बेहद की दृष्टि,वृति ही होती यूनिटी का आधार

मेरा बाबा!!!
ॐ शांति!!!